निवेश के लिए 10 जिलों की लंबित 903 परियोजनाओं पर शुरू होगा काम

इन्वेस्ट यूपी की नई व्यवस्था का असर दिखने लगा असर

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : निवेश की लंबित परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए इन्वेस्ट यूपी की नई व्यवस्था का असर अब दिखाई देने लगा है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में कंपनियों से एमओयू के बाद भी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिल पाने की वजह से लंबित चल रहीं 10 जिलों की करीब 903 परियोजनाओं को निवेशकों ने जल्द ही धरातल पर उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। विभिन्न विभागों से एनओसी नहीं मिलने से एक वर्ष से अधिक समय से इन परियोजनाओं पर काम शुरू नहीं हो पा रहा था।

पिछली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-4.0) में 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं को लेकर विभिन्न कंपनियों के साथ करार किया गया था, लेकिन अभी तक 2.80 लाख करोड़ करोड़ रुपये की परियोजनाओं में ही निवेश आ सका है। नतीजतन इन्वेस्ट यूपी का सीइओ बनने के बाद विजय किरन आनंद ने लंबित परियोजनाओं की नियमित निगरानी की व्यवस्था बनाई है।

इसके तहत 100 करोड़ रुपये से नीचे की निवेश परियोजनाओं की निगरानी उद्यमी मित्रों के जरिये जिला उद्योग केंद्रों के महाप्रबंधकों को सौंपी गई है। इन्हें हर माह अपने-अपने जिलों की परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट इन्वेस्ट यूपी को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही 100 से 250 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की निगरानी इन्वेस्ट यूपी मुख्यालय द्वारा की जा रही है। वहीं 250 करोड़ रुपये से ऊपर की लंबित परियोजनाओं की सीधी निगरानी इन्वेस्ट यूपी के सीईओ व एसीईओ कर रहे हैं।

इन्वेस्ट यूपी की इस पहल का असर अब दिखाई दे रहा है। 10 जिलों में निवेश के लिए जीबीसी रेडी 1,362 परियोजनाओं में से 903 परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के संबंध में संबंधित विभागों से एनओसी जारी की जा चुकी हैं। इन परियोजनाओं पर जल्द ही काम शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

- इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरन बड़ी परियोजनाओं की कर रहे हैं सीधी निगरानी
- डीआइसी से ली जा रही है 100 करोड़ से नीचे की परियोजनाओं की हर माह रिपोर्ट

जीबीसी की परियोजनाओं की 10 जिलों में स्थिति

जिला	लंबित परियोजनाएं	शुरू होगा काम	प्रतिशत
मैनपुरी	88	66	75
सुलतानपुर	138	102	73.91
कानपुर नगर	236	171	72.46
देवरिया	118	83	70.34
हापुड़	136	88	64.71
गोरखपुर	286	179	62.59
वाराणसी	116	72	62.07
पीलीभीत	99	59	59.60
अमरोहा	61	35	57.38
फिरोजाबाद	84	48	57.14